RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 26 सितंबर 2023 वर्ष 05 अंक 153 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

जबरन वसूली में शामिल माथाडियों की खैर नहीं...

उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने कड़ी कार्रवाई की दी चेतावनी !

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में अब नकली मथाडियों' (सिर पर सामान ढोने वाले श्रमिक) की खैर नहीं है। यहां उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने सोमवार को मथाडियों की पहचान करने के लिए एक संयुक्त और सामूहिक प्रयास का आ''ान किया। साथ ही ब्लैकमेल और जबरन वसूली में शामिल होने और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

वाशी में मथाडी नेता स्वर्गीय अन्नादसाहेब पाटिल की जयंती के अवसर पर आयोजित एक रैली में फड़नवीस ने कहा कि राज्य सरकार मथाडी पर कोई अधिनियम नहीं थोपना चाहती थी। वह सिर्फ उल्लंघनकताओं के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा अधिनियम में संशोधन कर रही थी, जो 50 अधिक वर्षों पुराना है।

कार्रवाई करने के दिए निर्देश

उन्होंने बताया कि नकली और ''जबरन वसूली करने वाले'' मठाडियों द्वारा उत्पन्न समस्याओं के कारण कई उद्योग राज्य से बाहर चले गए हैं। इसके साथ ही फड़णवीस ने नवी मुंबई पुलिस को फर्जी 'मठाडियों' के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया, जो समझौतों में 25 प्रतिशत की कटौती करते हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मथाडी, हमाल और अन्य मैनुअल श्रमिक अधिनियम में संशोधन करते समय हम यह सुनिश्चित करेंगे कि अन्नासाहेब पाटिल द्वारा परिकल्पित अधिनियम की आत्मा बरकरार रहे।

मराठा समुदाय को आगे लाने की है जरूरत...

फड़णवीस ने आगे कहा कि मराठा समुदाय को आगे लाने की जरूरत है और उनका विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि अन्नाशेब पाटिल आर्थिक महामंडल के माध्यम से मराठा समुदाय से 70 हजार से अधिक उद्योगपति बनाए गए हैं और उन्हें 5,000 करोड़ रुपये का मुफ्त ऋण दिया गया है। सरकार ने इसके लिए प्रति वर्ष 507 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल का बड़ा बयान!

'जयंत पाटिल हमारे साथ आइए... आपके लिए मंत्रालय अभी भी खाली है'

मुंबईः महाराष्ट्र की राजनीति में फिर हलचल तेज हो गई है। उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजीत पवार के एक बयान के बाद अफवाहों का दौर शुरू हो चुका है। अनुमान लगाया जा रहा है कि आगामी दिनों में महाराष्ट्र सरकार में कुछ फेरबदल देखने को मिल सकता है। दरअसल अजित पवार ने बारामती में कहा, ''ठीक है आज मैं सरकार में हूं, मंत्रिमंडल में हूं, मेरे हाथ में वित्त विभाग है इसलिए उसका फायदा हमें होता है लेकिन कल ये रहेगा या नहीं, पता नहीं कल किसने देखा है।'' अब उनके इस बयान पर छगन भुजबल ने कहा है कि हम कोई अमर पत्र लेकर नहीं आए हैं। हमारे पास कुर्सी आजीवन नहीं रहेगी। जब तक जनता चाहेगी, तब तक हम सरकार में रहेंगे। इसलिए यह कहना कि हम हमेशा ही

सरकार में बने रहेंगे, यह गलत है। उन्होंने कहा कि कोई बेचैनी नहीं है। सब कुछ ठीक चल रहा है। हम दोनों लोग सुबह आठ बजे जाकर जनता से मिलते हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता और पॉवर कितने दिन किसके साथ रहेगी, यह कोई नहीं बता सकता है।

वहीं उन्होंने शरद पवार गुट के नेता जयंत पाटिल के बारे में बोलते हुए कहा कि पुराने प्रकरण के बारे में जयंत पाटिल से बातचीत हुई थी।

क्या कहा था अजीत पवार ने...

वहीं इससे पहले बारामती में अजीत पवार ने जनता को संबोधित करते हुए कहा, ''ठीक है आज मैं सरकार में हूं, मंत्रिमंडल में हूं, मेरे हाथ में वित्त विभाग है इसलिए उसका फायदा हमें होता है लेकिन कल ये रहेगा या नहीं, पता नहीं कल किसने देखा है।'' उन्होंने कहा, मैगनेट नाम की एक योजना थी उस वक्त मैं उद्धव ठाकरे की सरकार में वित्त मंत्री था। मेरे सामने जब फाइल आती है तो मैं यह देखता हूं कि उसमें बारामती का कोई गांव है या नहीं फिर फाईल पर साइन करता हूं।''

क्या ये अजीत पवार की सियासी बेचैनी है?

बता दें कि अजीत पवार के सरकार में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके सहकारियों की नाराजगी किसी से छुपी नहीं है। सीएम शिंदे हो या उनके सहकारी मंत्री और विधायक साफ तौर पर नाराजगी व्यक्त करते नजर आए हैं। महाराष्ट्र सरकार की शिवसेना-बीजेपी सरकार में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के इस बयान से उनकी बेचैनी साफ दिखायी पड़ रही है। क्या सरकार में शामिल होने के बाद भी अजित पवार को मनचाहा काम करने का या फिर जो वादे किए गए थे वो पूरे ना हो पाने की वजह से यह बेचैनी सामने आ रही है।

"पत्रकारों को चाय पिलाओ, खाना खिलाओ ताकि वो..."

महाराष्ट्र BJP अध्यक्ष के बयान से मचा बवाल

मुंबईः महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले के पत्रकारों और मीडियाकर्मियों को लेकर दिए गए एक बयान से विवाद बढ़ गया है. बावनकुले ने अहमदनगर में बीजेपी कार्यकर्ताओ को मीडिया मैनेजमेंट के गुर सिखाते हुए आपत्तिजनक बयान दिया. उन्होंने कहा, ''पत्रकारों को ढाबे पर बुलाओ, खाना खिलाओ... ताकि 2024 तक विरोध मे कोई भी खबरें न चले.'' इस बयान की एक ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया में जमकर वायरल हुई. इसके बाद

बावनकुले ने बताया कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया है. बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले महाविजय 2024 विधानसभा पदाधिकारी संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे. बूथ संरचना और पदाधिकारियों की ज़िम्मेदारी विषय पर बात करते हुए बावनकुले ने कहा, ''जिस बूथ पर आप काम करते हो, वहां इलेक्ट्रॉनिक मीडिया वाले कौन हैं, पोर्टल वाले कौन हैं, इनकी जानकारी रखिए.'' बावनकुले ने कहा, ''मोदी सरकार के खाते में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं, लेकिन इन्हें पत्रकारों द्वारा छिपाया जा रहा है.'' बीजेपी नेता ने पत्रकारों का नाम नहीं लिया, लेकिन ''इलेक्ट्रॉनिक मीडिया या प्रिंट से जुड़े लोगों'' का जिक्र किया.

बावनकुले की टिप्पणी पर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की. कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार (जो विपक्ष के नेता भी हैं) ने इस आरोप का नेतृत्व किया है. उन्होंने कहा, ''सभी पत्रकार बिक नहीं गए हैं... क्या आपको लगता है कि पत्रकार 'टुकड़े' स्वीकार करते हैं? मैं आपके नेताओं की बेचैनी समझ सकता हूं... शीर्ष स्तर और स्थानीय दोनों स्तर पर ये बेचैनी है... क्योंकि वे आवाज नहीं दबा सके. अब आपने सीधे प्रस्ताव देना शुरू कर दिया है?'' बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के इस बयान के बाद महाराष्ट्र के पत्रकार और पत्रकार संघटनों ने बावनकुले के बयान की निंदा की है.

मुंबई में चाकू दिखाकर 16 साल की लड़की से दुष्कर्म, एक युवक गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई के पूर्वी उपनगर मुलुंड की एक बस्ती में चाकू के बल पर 16 वर्षीय लड़की से उसके ही घर में कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने रविवार को हुए इस अपराध के मामले में 21 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है जबकि उसका एक साथी

फरार है। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता आरोपी को जानती थी और दोनों एक ही बस्ती में रहते हैं। अधिकारी ने बताया कि आरोपी अपने दोस्त के साथ पीड़िता के घर में उस वक्त घुसा, जब वह घर में अकेली थी। उन्होंने बताया कि आरोपी ने चाकू दिखाकर कथित रूप से लड़की से दुष्कर्म किया और फिर मौके से भाग गया।

पुलिस के मुताबिक, परिजनों के घर लौटने पर लड़की ने उन्हें आपबीती सुनाई, जिसके बाद शिकायत दर्ज कराई गई।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

आतंकवाद से कैसे लड़ें

संयोग ही कहिए कि जब नई दिल्ली में बार काउंसिल ऑफ इंडिया (इउक) की ओर से आयोजित दो दिवसीय इंटरनैशनल लॉयर्स कॉन्फ्रेंस हो रही थी, आतंकवाद से निपटने के तरीकों को लेकर कनाडा और भारत आमने-सामने आ चुके थे। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस सुझाव की अहमियत विशेष रूप से बढ़ गई कि इंटरनैशनल लॉयर्स कॉन्फ्रेंस को वैश्विक स्तर पर साझा लीगल फ्रेमवर्क तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। पीएम मोदी ने साइबर आतंकवाद, मनी लॉन्ड्रिंग, अक और उसके दुरुपयोग जैसे मसलों के संदर्भ में इसका जिक्र किया, लेकिन अन्य संदर्भों में भी यह उतना ही महत्वपूर्ण है। ताजा उदाहरण कनाडा प्रसंग का ही लिया जा सकता है, जिसे सभी संबंधित पक्षों ने महत्वपूर्ण माना है और अपने-अपने रुख पर पूरी गंभीरता से कायम हैं। हालांकि कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोप इस लिहाज से निराधार और बेतुके हैं कि खुद उन्हें रिपोर्ट करने वाली जांच एजेंसियों ने भी अभी अपना काम पूरा नहीं किया है, वे जांच कर ही रही हैं। देश की संसद में सार्वजनिक तौर पर आरोप लगाने के बाद भी अभी तक कनाडा सरकार ने अपने पीएम ट्रूडो के आरोपों की पुष्टि करने वाला कोई सबूत पेश नहीं किया है। मगर इन सबको दरकिनार करते हुए और थोड़ी देर के लिए सही या गलत के सवाल से ऊपर उठते हुए देखा जाए तो इस प्रकरण से अंतरराष्ट्रीय महत्व का यह सवाल उभरता है कि एक देश की एकता और क्षेत्रीय अखंडता से जुड़े मसले को अगर दूसरा देश वैचारिक अभिव्यक्ति की आजादी के चश्मे से देख रहा हो तो दोनों के नजरिए में एकरूपता कायम करने का क्या तरीका हो सकता है?

भारत काफी पहले से कनाडा सरकार के सामने वहां सक्रिय खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियों की शिकायत करता रहा है, लेकिन कनाडा सरकार इन सबको एक वाक्य के सहारे खारिज करती रही कि उसके देश में नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी मिली हुई है और वह उसमें कोई दखलंदाजी नहीं करना चाहती। यही मसला अन्य देशों के बीच भी अलग-अलग रूपों में जब-तब उभरता रहता है। यही वजह है कि सभी देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की गंभीरता को लेकर सहमति जताते हुए भी इससे निपटने के तरीकों पर अक्सर उलझे नजर आते हैं क्योंकि आतंकवाद की उनकी परिभाषा और उसके अलग-अलग रूपों की व्याख्या में अपेक्षित एकरूपता नहीं आ पाई है। जाहिर है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह कहकर सही दिशा में संकेत किया है कि जब खतरा वैश्विक है तो उससे निपटने का तरीका भी वैश्विक होना चाहिए। इस दिशा में जरूरी पहल का काम ग्लोबल लीगल फ्रैटर्निटी ही कर सकती है। उस लिहाज से इंटरनैशनल लॉयर्स कॉन्फ्रेंस इसके लिए उपयुक्त मंच है। अगर दिल्ली बैठक से इस दिशा में किसी ठोस शुरूआत का आधार बनता है तो न केवल इस मंच की सार्थकता बढ़ेगी बल्कि आतंकवाद से लड़ाई में मनुष्यता का पक्ष भी थोड़ा और मजबूत होगा।

व्हाट्सएप पर दैनिक रोकठोक लेखनी समाचार पत्र चैनल को फॉलो करें
+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

समृद्धि महामार्ग पर दुर्घटनाओं में घायल होने वालों को सरकार की तरफ से मुफ्त इलाज...

मुंबई : सड़क हादसों में घायलों को इलाज के लिए सरकार जल्द ही 'हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे सड़क दुर्घटना बीमा योजना' को लागू करने जा रही है। इस योजना के तहत महामार्ग पर दुर्घटनाओं में घायल होने वालों को सरकार की तरफ से मुफ्त में इलाज कराया जाएगा। ज्ञात हो कि ७०१ किलोमीटर लंबे समृद्धि महामार्ग को बनाने का मुख्य उद्देश्य मुंबई से नागपुर के सफर को १७ घंटे से कम करके सात घंटे पर लाना था। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, ५५,३३५ करोड़ रुपए की कुल परियोजना में पांच फ्लाईओवर, ३३ प्रमुख पुल, २७४ छोटे पुल, ८ रेलवे ओवर ब्रिज, २५ इंटरचेंज, ६ सुरंग, १८९ अंडरपास, हल्के वाहनों के लिए ११० अंडरपास, पशु और पैदल चलने वालों के लिए २०९ अंडरपास सहित ८ अंडरपास और बनाए गए हैं। हालांकि, सफर को कम करने में काफी हद तक सफलता तो जरूर मिली, लेकिन अब यही महामार्ग 'घाता'१ सरकार के गले की फांस बन गई है। समृद्धि महामार्ग पर आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। यहां अब तक सबसे बड़ी दुर्घटना जुलाई महीने में हुई थी, जिसमें एक बस हादसे में २५ लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद प्रदेश की 'घाती' सरकार की जमकर बदनामी हुई थी, साथ ही विपक्षी दलों ने भी आलोचनाओं की बौछार कर दा थी। फिलहाल, इससे सबक लेते हुए घाती सरकार दुर्घटनाओं में घायल मरीजों को समय पर चिकित्सा उपचार मुहैया कराते हुए उनकी जान बचाने के लिए महाराष्ट्र में हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे सड़क दुर्घटना बीमा योजना लागू करने जा रही है। इससे मरीजों को तत्काल अस्पतालों में पहुंचाया जा सकेगा। इस अस्पताल में होगा इलाज नागपुर में स्थित हिंगना रोड के डिगडोह हिल्स में लता मंगेशकर अस्पताल अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इस अस्पताल में महाराष्ट्र राज्य सरकार की महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना चल रही है। राज्य सरकार की योजना के तहत लता मंगेशकर अस्पताल समृद्धि महामार्ग पर दुर्घटना पीड़ितों को मुफ्त चिकित्सा उपचार प्रदान करेगा। इसके लिए अस्पताल प्रशासन भी अच्छी सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गुजरात में फिर टूटा पुल, ट्रक और कई गाड़ियां नदी में गिरीं

गुजरात : गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में रविवार (24 सितंबर) को एक पुराना पुल ढह गया। घटना जिले के वस्तादी गांव के पास की है। मिली जानकारी के अनुसार, इस घटना में 10 लोगों के डूबने की खबर है। हालांकि, इनमें से 6 लोगों को बचा लिया गया है। बचाव कार्य जारी है। कानून प्रवर्तन और सरकारी अधिकारी दोनों घटनास्थल पर पहुंचे बचाए गए लोगों को चिकित्सा उपचार के लिए नजदीकी अस्पतालों जाया गया। सभी लोगों का इलाज शुरू कर दिया गया है। बाकी तलाश जारी है।

डंपर के गुजरने से ढहा पुलः कलेक्टर

जिला कलेक्टर केसी संपत के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग को चूरा तहसील से जोड़ने वाला पुल 40 साल पुरानी संरचना थी। अधिकारियों ने भारी वाहनों के लिए पुल तक पहुंच प्रतिबंधित कर दी थी। ऐसा प्रतीत होता है। कि एक डंपर के ऊपर से गुजरने की कोशिश के बाद पुल ढह गया। कलेक्टर ने कहा कि पुल को पहले ही सड़क और भवन विभाग को दिया गया है और एक नई संरचना बनाने की मंजूरी भी दे दी गई है। एक साल पहले मोरबी में पुल ढह गया था इससे पहले अक्टूबर 2022 में मोरबी शहर में मच्छू नदी पर बना केबल सस्पेंशन ब्रिज ढह गया था। इस हादसे में 350 से ज्यादा लोग नदी में गिर गये थे। करीब 160 लोगों की मौत हो गई थी। मामले में रखरखाव और प्रबंधन से जुड़े ओरेवा समूह के नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

ठाणे की अदालत ने डकैती के आरोपी चार लोगों को किया बरी

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने डकैती के एक मामले में आरोपी पालघर के एक गांव के चार लोगों को बरी कर दिया।अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रेमल एस विठलानी ने कहा कि अभियोजन पक्ष कथित आरोपी गोपाल लखमा पचकुडवा (58), दीपक बंधु नावला (48) संदीप वाल्कू खानजोडे (54) और दशरथ रामू खानजोडे (49) के खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा।12 सितंबर के आदेश की प्रति सोमवार को उपलब्ध कराई गई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 1 मई 2009 को, एक व्यक्ति अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर विक्रमगढ़ जा रहा था, जब कथित आरोपियों ने वाहन को रोका, उसके साथ मारपीट की और उससे 8,500 रुपये नकद और 5,000 रुपये के आभूषण लूट लिए।न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि घटनास्थल पर एक बड़ी खाई थी और बचाव पक्ष ने तर्क दिया था कि पीड़ित को खाई में गिरने के बाद चोटें लगी थीं।यह भी नोट किया गया कि जिन दो गांवों के आरोपी और पीड़ित थे, वहां के निवासियों के बीच पहले से दुश्मनी थी और घटना से एक या दो महीने पहले उनके बीच झगड़ा हुआ था।

70 से अधिक होटलों और क्लाउड किचन की जांच, स्वच्छता की कमी और खुलेआम नियमों का उल्लंघन...

मुंबई : विशेष अभियान के तहत शहर में हर छोटे-बड़े होटलों पर निगरानी रखते हुए उसमें साफ-सफाई समेत तमाम जरूरी नियमों का पालन किया जा रहा है अथवा नहीं, इसकी जांच की जा रही है। हाल फिलहाल में एफडीए ने ७० से अधिक होटलों और क्लाउड किचन की जांच की, जिसमें स्वच्छता की कमी और खुलेआम नियमों का उल्लंघन पाया गया, जो बेहद चिंताजनक है। दूसरी तरफ १३ करोड़ की आबादी वाले इस शहर में कुल १.३ लाइसेंस धारी समेत २.४ लाख पंजीकृत होटल हैं। हालांकि, इन पर निगरानी रखने के लिए केवल १३ फूड इंस्पेक्टर हैं। ऐसे में घाती सरकार के राज में एफडीए मानव बल की कमी की मार झेल रहा है। मुंबई शहर और उपनगरों में १.३ लाख लाइसेंस धारक समेत कुल २.४ लाख पंजीकृत होटल और क्लाउड किचन चालक हैं।

मालेगांव 2008 विस्फोट मामला:

विशेष एनआईए अदालत ने सुनवाई 3 अक्टूबर तक स्थगित कर दी

महाराष्ट्र : एक विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अदालत ने सोमवार को मालेगांव 2008 विस्फोट मामले में सुनवाई 3 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी। बयान दर्ज करने के लिए आरोपी दयानंद पांडे की अनुपस्थिति के कारण अदालती कार्यवाही स्थगित कर दी गई। विशेष एनआईए अदालत ने आरोपी पांडे के खिलाफ 5000 रुपये का जमानती वारंट जारी किया. सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर समेत अन्य छह आरोपी आज कोर्ट में मौजूद थे. सभी आरोपियों को 3 अक्टूबर को दोबारा कोर्ट में उपस्थित होने का आदेश दिया गया है.

मुंबई की विशेष एनआईए अदालत ने 14 सितंबर को मालेगांव 2008 विस्फोट मुकदमे में अभियोजन साक्ष्य बंद कर दिए। एनआईए का प्रतिनिधित्व कर रहे विशेष लोक अभियोजक अविनाश रसाल और अनुश्री रसाल ने अदालत को बताया कि अभियोजन पक्ष के 323 गवाहों से पूछताछ करने के बाद, उन्होंने मामले में किसी और गवाह से पूछताछ नहीं करने का फैसला किया है। मामले के आरोपियों में से एक लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित ने एक आवेदन प्रस्तुत किया जिसमें बताया गया कि उन्होंने सूचना का अधिकार

(आरटीआई) अधिनियम के माध्यम से कुछ दस्तावेज हासिल किए थे और एक विशिष्ट भारतीय सेना के गवाह को वापस बुलाने का अनुरोध किया था। हालांकि, अदालत ने आवेदन खारिज कर दिया और फैसला किया कि 25 सितंबर से आरोपी को गवाह बॉक्स में लाया जाएगा और आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 313 के तहत पूछताछ की जाएगी। 2008 में, महाराष्ट्र के मालेगांव में एक व्यस्त ट्रैफिक सिग्नल पर हुए विस्फोट में छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 106 अन्य घायल हो गए। घटना की प्रारंभिक जांच महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा की गई थी, जिसने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) दोनों को लागू किया था। इसमें बीजेपी सांसद साध्वी प्रज्ञा और सेवारत सेना अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित समेत 11 आरोपी थे. एटीएस ने दो आरोपपत्र दायर किए थे, लेकिन 2016 में मामला केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए को स्थानांतरित कर दिया गया था। 2015 में मामले की जांच पूरी होने के बाद, एनआईए ने 2016 में एक और आरोप पत्र दायर किया।

कनाडा के रक्षा मंत्री के बदले सुर, अब भारत को लेकर कही ये बात

कनाडा : कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की ओर से खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाए जाने के बाद दोनों देशों रिश्ते में तल्खी आने के बीच कनाडा के रक्षा मंत्री बिल ब्लेयर ने कहा कि भारत के साथ कनाडा का संबंध बहुत महत्वपूर्ण हैं। कनाडा इंडो-पैसिफिक पार्टनरशिप को आगे बढ़ाना जारी रखेगा।

भारत के साथ अपनी साझेदारी बनाए रखेगा कनाडा

उन्होंने कहा कि कनाडा आरोपों की जांच होने तक भारत के साथ अपनी साझेदारी बनाए रखेगा। भारत के साथ संबंध महत्वपूर्ण हैं। ग्लोबल न के अनुसार कनाडाई रक्षा मंत्री ने कहा है कि कानून को बनाए र ा हमारी जिम्मेदारी है। हमें विश्वास है कि हम अपने नागरिकों की सुरक्षा क लिए पूरी जांच करेंगे और सच्चाई तक पहुंचेंगे। यदि आरोप सही हैं। कनाडाई धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या करना उल्लं होगा ।'' हमारी संप्रभुता, और यह कनाडा के लिए बड़ी चिंता का विषय होगा। बता दें कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने खालिस्तान समर्थक आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का लगाया, जिसे भारत ने बेबुनियाद बताते हुए कनाडा से उसके आरोपों का सबूते मांगे। लेकिन कनाडा ने अभी तक कोई सबूत नहीं दिया है। तत्पश्चात भारत ने कनाडा के गैरजिम्मेदराना रवैये के बाद कड़ा रूख अपनाया है। इसके तहत भारत ने कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा देने की प्रक्रिया को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया।

१३ अतिजर्जर पुलों की सूची जारी, गणेश भक्तों से पुलों पर नृत्य न करने की अपील

मुंबई : शहर में वैसे तो कई पुल जर्जर स्थिति में हैं लेकिन कम से कम १३ पुल ऐसे हैं, जो बेहद नाजुक स्थिति में हैं। गणेशोत्सव से पहले मनपा ने इन पुलों की मरम्मत पर कोई काम भी नहीं किया है। ऐसे में इन पुलों से अब विसर्जन के लिए वजनदार गणपति बाप्पा को गुजरने पर रोक लगा दी गई है। यहां तक कि मनपा और ट्रैफिक पुलिस ने गणेश भक्तों से उन पुलों पर नृत्य न करने की अपील की है। अधिकारियों ने अपील में कहा है कि ये पुल पुराने हो चुके हैं और खतरनाक स्थिति में हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में लोग इन पुलों पर एक साथ न गुजरें। गणेश भक्त और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. अविशा कुलकर्णी ने मनपा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए कि ये पुल बाप्पा के आवागमन के लिए मजबूत नहीं हैं। उनके भक्तों और उनका भार तक नहीं सह पाएंगे तो मनपा ने इस पर वाहनों की आवाजाही के लिए अनुमति वैष्ठसे दी हुई है। उन्होंने कहा कि यदि ये पुल भक्तों के उत्साह का सामना भी नहीं कर सकते तो उन पर वाहनों के आवागमन की अनुमति वैष्ठसे दी जा सकती है? अधिकारियों को इस बात का जवाब देना चाहिए।

मनसे नेता अमित ठाकरे ने चेंबूर में में किया गणपति दर्शन

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) मनसे प्रमुख राज ठाकरे के चिरंजीव वा मनसे नेता अमित ठाकरे ने चेंबूर परिसर में मनसे वाहातुक सेना के महासचिव वा चेंबूर विधानसभा अध्यक्ष माऊली थोरवे के घर में बैठी

गणपति के लिए दर्शन । माऊली थोरवे ने पहाड़ों पर रहने वाली जनता के परेशानी भरे हालात से शासन प्रशासन को ईषार्वाड़ी,भांडुप ,चेंबूर में हुए पहाड़ी इलाके में भूस्खलन में मारे गाये नागरिकों को याता स्थिति उजागर एक झांकी बनाकर किया था ।

एटीएम में पैसा निकालने गए एक बुजुर्ग के साथ धोखाधड़ी

कल्याण : कल्याण शामराव विठ्ठल को-ऑपरेटिव बैंक के एटीएम में पैसा निकालने गए एक बुजुर्ग के साथ धोखाधड़ी किए जाने का मामला उजागर हुआ है। घटना गुरुदेव होटल के बगल में शामराव विट्ठल को-ऑपरेटिव बैंक के एटीएम में हुई है। पुलिस के मुताबिक, 14 अगस्त की दोपहर 1 बजे के दरमियान आपटेवाडी, बदलापुर के रहने वाले 68 वर्षीय पांडुरंग लाव्हरे कल्याण-पश्चिम में गुरुदेव होटल के पास शामराव विट्ठल को-ऑपरेटिव बैंक के एटीएम सेंटर से पैसा निकाल रहे थे। इस दौरान एक अनजान व्यक्ति ने उनका पासवर्ड देख लिया और उन्हें बातों में उलझा कर उनका एटीएम कार्ड बदल लिया। जब लाव्हरे वहां से चले गए तो कुछ देर बाद बैंक अकाउंट से 6 हजार 800 रुपए निकाले जाने का मैसेज उन्हें प्राप्त हुआ। उन्होंने फौरन इस घटना की जानकारी अपने बैंक को दी। बैंक ने उस एटीएम कार्ड को लॉक कर दिया।

पाप को छिपाने के लिए एक मां अपराधी बन गई, शिकार बना बेबस मासूम!

मुंबई : प्यार में धोखा खानेवाली किशोरियां-युवतियां अपने परिजनों के लिए शर्मिंदगी का कारण बनती हैं। कुंआरी मां बनने वाली बेटियों के कारण समाज और रिश्तेदारों के बीच होनेवाली थू-थू से बचने के लिए परिजन कई बार कुछ ऐसा भी करने को मजबूर हो जाते हैं, जो कानून की नजरों में गुनाह बन जाता है। ऐसा ही एक मामला दक्षिण मुंबई के पॉश इलाके मलबार हिल से सामने आया है, जहां प्रेम जाल में फंस कर गर्भवती हुई बेटी के कथित पाप को छिपाने के लिए एक मां भी अपराधी बन गई। पुलिस ने उसे बच्चे को जन्म देनेवाली उसकी बेटी के साथ गिरफ्तार किया है। दक्षिण मुंबई के मलबार हिल क्षेत्र अंतर्गत बाणगंगा इलाके में समुद्र किनारे प्रीमेच्योर (समय से पहले जन्मे) नवजात का शव पुलिस को मिला था। नवजात की लाश मिलने की खबर से पुलिस के हाथ-पांव फूल गए थे।

शव देख कर ये साफ प्रतीत हो रहा था कि किसी ने जानबूझकर 'पाप' छिपाने के लिए बच्चे को पानी में फेंका होगा और उक्त बच्चा नाजायज प्रेम

संबंधों के परिणाम स्वरूप जन्मा हो सकता है, ये मान कर मलबार हिल पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। आमतौर पर नवजात शिशुओं से जुड़े ऐसे मामलों में पुलिस सबसे पहले आसपास के अस्पताल और प्रसूतिगृहों को खंगालती है लेकिन मलबार हिल में मिले प्रीमेच्योर बच्चे के बारे में जानकारी जुटाने के लिए पुलिस ने उक्त समुद्र तट (बीच) तक पहुंचनेवाले रास्तों और बीच के आसपास के सीसीटीवा फुटेजों को खंगाला और एक फुटेज में नजर आई एक संदिग्ध महिला को चिह्नित किया और फिर खबरियों की मदद से उक्त महिला को ढूंढते हुए उसके घर तक पहुंच गई। पुलिस ने मरियम (बदला हुआ नाम) नामक उक्त ४२ वषीर्या महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की तो पता चला कि आरोपी मरियम की २० वषीर्या बेटी नफीसा (बदला हुआ नाम) उसी इलाके में रहनेवाले एक युवक सुंदर भूटिया (बदला हुआ नाम) के प्रेम जाल में फंस गई थी। उनके बीच जिस्मानी संबंध बनने से नफीसा गर्भवती हो गई थी। उसके शरीर में अचानक आए बदलाव (पेट) से मरियम को कुछ गड़बड़ी का शक हुआ। प्रारंभिक जांच में नफीसा के गर्भवती होने की पुष्टि होने से मरियम घबरा गई। समाज में बदनामी और अविवाहित बेटी के भविष्य की चिंता उसे सताने लगी।

इस मामले में मलबार हिल पुलिस ने मरियम व नफीसा को पहले गिरफ्तार किया, बाद में उनसे पूछताछ के बाद सुंदर को भी गिरफ्तार कर लिया है। तीनों के खिलाफ आईपीसी की धारा ३१५ (बच्चे को जीवित पैदा होने से रोकने या जन्म के बाद उसकी मृत्यु का कारण बनने के इरादे से किया गया कार्य), १०९ और धारा ३४ (सामान्य इरादा) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मुंबई की एक महिला से उसके ड्राइवर ने ५२ लाख रुपए ठग लिए, ठग ड्राइवर गिरफ्तार

मुंबई : एक महिला से उसके ड्राइवर ने ५२ लाख रुपए ठग लिए थे। इस मामले में पुलिस ने ठग ड्राइवर को तो गिरफ्तार कर लिया है लेकिन वारदात में साथ देने वाली ड्राइवर की पत्नी अभी भी फरार है। कांदिवली-पश्चिम स्थित चारकोप इलाके में रहने वाली रत्ना मिस्त्री (बदला हुआ नाम) को निजी कारणों से गुरुग्राम (हरियाणा) जाना था। रत्ना ने अपने ड्राइवर सोहैब खान (बदला हुआ नाम) को ४० हजार रुपए दिए और गैरेज में गाड़ी की मरम्मत कराने का निर्देश देकर गुरुग्राम चली गई। रत्ना के डर को सोहैब ने कमाई का जरिया बना लिया। वह बार-बार बहाने बनाकर करीब ३ साल तक रत्ना से पैसे मांगता रहा। लगभग ५२ लाख रुपए गंवाने के बाद रत्ना को दाल में कुछ काला होने का एहसास हुआ और रत्ना हिम्मत करके पुलिस थाने पहुंच गई।

रत्ना के पुलिस थाने जाने की बात सोहैब को पता चली तो वह, उसकी

बीवी और ठगी में शामिल दोस्त फरार हो गए। मोबाइल नंबर और दूसरे तरीकों से करीब दस महीने तक ढूढने के बाद पुलिस ने सोहैब को तो गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन उसकी पत्नी और दोस्त अभी भी फरार हैं।

बताया जा रहा है कि सोहैब ने अपनी पत्नी मंदाकिनी (बदला हुआ नाम) और एक अन्य मित्र की मदद से रत्ना से मोटी रकम ऐंठने की योजना बनाई। सप्ताह भर बाद सोहैब ने रत्ना से कहा कि गैरेज वाले ने कार में ड्रग्स रख दिया था, जिसे फेंकते समय पुलिस ने उसे पकड़ लिया। क्योंकि कार आपके (रत्ना) नाम पर है, आरटीओ ऑफिस से पुलिस को आपका नाम भी पता चल जाएगा।

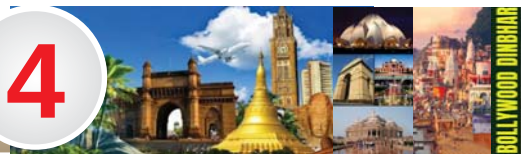

सरकारी जे जे अस्पताल के मेड छात्र शीर्ष चिकित्सक से सीखते हैं प्रमुख कौशल...

मुंबईः शनिवार को, सरकारी जेजे अस्पताल में मेडिकल छात्रों को देश के बेहतरीन चिकित्सकों में से एक डॉ फारुख उदवाडिया द्वारा रोगियों के निदान में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में चिकित्सा इतिहास इकट्ठा करने का बुनियादी कौशल सिखाया गया। अपने नैदानिक कौशल के लिए व्यापक रूप से पहचाने जाने वाले पद्मभूषण पुरस्कार विजेता ने अक्सर इस बात पर जोर दिया है कि किताबों के बजाय बिस्तर पर चिकित्सा सीखना सबसे अच्छा है। 93 साल की उम्र में डॉ. उडवाडिया जैसे ही अस्पताल में दाखिल हुए, उन्होंने तुरंत लिफ्ट लेने के बजाय पांचवीं मंजिल पर वार्ड 7 तक पहुंचने के लिए सीढ़ियां चढ़कर एक मिसाल कायम की। स्नातकोत्तर छात्रों ने मरीजों के बिस्तरों के पास खड़े होकर एक-एक करके उनके सामने अपने मामले पेश किए।

लगभग ढाई घंटे के दौरान, डॉ. उडवाडिया ने इतिहास लेने, जांच करने और निदान पर पहुंचने के बारे में पाठ पढ़ाया। डॉ. उडवाडिया ने छात्रों को इतिहास लेने की कला में महारत हासिल करने के महत्व को समझाया और उन्हें नैदानिक परीक्षणों की ओर रुख करने से पहले अपने नैदानिक कौशल पर भरोसा करने के लिए प्रोत्साहित किया। ''छात्र इतिहास लेने की कला भूल रहे हैं और उन्हें पहले जांच पर भरोसा किए बिना इसे सीखना चाहिए। एक डॉक्टर जो वास्तव में मरीज को समझता है और उसके साथ संबंध बनाता है, वह एक अच्छे चिकित्सक की पहचान है, ''उन्होंने छात्रों से कहा।

जेजे अस्पताल की डीन डॉ. पल्लवी सपले ने कहा कि डॉ.

उदवाडिया ग्रांट मेडिकल कॉलेज और सर जेजे अस्पताल में एमेरिटस प्रोफेसर हैं। उन्होंने कहा, ''वह विनम्रतापूर्वक मेडिकल छात्रों की नई पीढ़ी को अपना विशाल ज्ञान प्रदान करने के लिए सहमत हुए।'' न्यूज नेटवर्क हमने हाल ही में निम्नलिखित लेख भी प्रकाशित किए हैं छात्र अपने कलात्मक कौशल का प्रदर्शन करते हैं. माई सिटी माई प्राइड पहल के हिस्से के रूप में, टीओआई के सहयोग से, भुवनेश्वर में श्री सत्यसाई एन्क्लेव वेलफेयर सोसाइटी द्वारा एक सिट एंड ड्रॉ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में कक्षा कसे क्क तक के छात्रों ने भाग लिया, विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। जूनियर ग्रुप में अनीश साहू, अयांश पटनायक और अर्नब स्वैन ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा पुरस्कार जीता। सीनियर ग्रुप में श्रद्धा सुमन बलियारसिंह, मोनालिसा महापात्रा और शिल्पी प्रियदर्शिनी ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा पुरस्कार जीता।

कोलकाता के डॉक्टर मरीज की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अस्पतालों में क्लिनिकल फामाकोलॉजी सेवाओं को एकीकृत करने पर जोर देते हैं विश्व रोगी सुरक्षा दिवस मनाने के लिए अस्पतालों में क्लिनिकल फामाकोलॉजी सेवाओं को एकीकृत करने पर एक सेमिनार के लिए विशेषज्ञ कोलकाता में एकत्र हुए। उन्होंने चिकित्सा उपयुक्तता, त्रुटि निवारण, प्रतिकूल प्रतिक्रिया प्रबंधन, उपचार पालन, बा' रोगी निगरानी और विशेष देखभाल जैसे विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। पश्चिम बंगाल के मेडिकल कॉलेजों में सुपर-स्पेशियलिटी क्लिनिकल फामाकोलॉजी विभागों की स्थापना को रोगी देखभाल में सुधार और चिकित्सा त्रुटियों को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में पहचाना गया, विशेष रूप से कई दवाओं की आवश्यकता वाले बुजुर्ग आबादी के लिए। क्लिनिकल फामाकोलॉजिस्ट रोगी की देखभाल को अनुकूलित करने, दवाओं के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छात्रा रीति सहास की मौत के मामले में मेडिकल टीम ने जांच शुरू की वेंकटराम अस्पताल में कथित चिकित्सीय लापरवाही की जांच के लिए केजी अस्पताल द्वारा एक समिति का गठन किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप 17 वर्षीय लड़की की मौत हो गई। समिति में पांच चिकित्सा पेशेवर शामिल हैं जिन्होंने जांच शुरू कर दी है और वेंकटराम अस्पताल द्वारा प्रस्तुत चिकित्सा रिकॉर्ड की समीक्षा कर रहे हैं। पूछताछ पूरी होने में अतिरिक्त समय लगेगा. वेंकटराम अस्पताल, केयर अस्पताल और सुकदेब साहा के डॉक्टर भी जांच में भाग ले रहे हैं।

1994 की नवी मुंबई हत्या के लिए पंजाब से पकड़ा गया व्यक्ति

नवी मुंबई : एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि नवी मुंबई में अपने एक सहकर्मी की कथित तौर पर हत्या करने के बाद लगभग 30 साल से फरार एक व्यक्ति को पंजाब से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि टैंकर चालक कश्मीरा सिंह अजीत सिंह की 12 नवंबर 1994 को पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी और पुलिस जांच में तीन लोगों को शामिल किया गया था। उन्होंने कहा, ''एक व्यक्ति को पकड़ लिया गया है जबकि दूसरे की अंतरिम में मौत हो गई थी, जबकि आरोपी बिट्टूसिंह मजबी फरार हो गया था। हमें हाल ही में पता चला कि वह एक नए नाम के तहत अमृतसर में रह रहा था।'' उन्होंने बताया कि पनवेल पुलिस की एक टीम पंजाब पहुंची और उत्तरी राज्य में अपने समकक्षों की मदद से मजबी को पकड़ लिया गया।

एसएनजीपी को हाईकोर्ट का निर्देश,

कहा- तय करे कि गणपति विसर्जन के लिए कितने कृत्रिम तालाब

मुंबई : बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (एसजीएनपी) की निगरानी समिति को यह तय करने का निर्देश दिया कि क्या आरे में एक कृत्रिम तालाब गणपति विसर्जन के लिए पर्याप्त होगा? अदालत ने कहा है कि उनका प्रयास है कि किसी की धार्मिक भावनाएं आहत न हों। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की खंडपीठ ने कहा कि यदि समिति को लगता है कि अधिक कृत्रिम तालाबों की आवश्यकता होगी, तो आवश्यक व्यवस्था की जायेगी। अदालत ने आगे कहा कि ये सभी विषय विशेषज्ञों द्वारा विचार किए जाने वाले मामले हैं। क्या पर्याप्त होगा, चाहे वह एक कृत्रिम तालाब हो या छह या फिर ट्रक पर लगे टैंक, यह निगरानी समिति पर निर्भर है। सीजे उपाध्याय ने कहा कि कोशिश यह है कि किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे। हम समिति से विचार करने और उचित निर्णय लेने के लिए कहेंगे। यदि एक तालाब पर्याप्त है, तो ठीक है, यदि नहीं, तो हम केवल यह कह रहे हैं कि व्यवस्था की जा सकती है।

सीईओ ने किया था इनकार

दरअसल, पीठ विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक नेता द्वारा दायर एक आवेदन पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरे कॉलोनी में झीलों में विसर्जन की अनुमति मांगी गई थी। कॉलोनी के सीईओ ने इस साल झीलों पर विसर्जन की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

केवल एक तालाब पर्याप्त नहीं

याचिकाकर्ता के वकील अनिल सिंह ने सोमवार को पीठ को सूचित किया कि निगरानी समिति ने एक बैठक की और आरे के अंदर एक कृत्रिम तालाब स्थापित करने का निर्णय लिया, जहां पिछले बुधवार से विसर्जन किया जा रहा है। वहीं, नगर निकाय की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मिलिंद साठे ने अदालत को बताया कि बीएमसी ने विसर्जन के लिए छह ट्रक-माउंटेड टैंक भी उपलब्ध कराए हैं। सिंह ने कहा कि विसर्जन के लिए लाई जाने वाली मूर्तियों की संख्या को देखते हुए एक तालाब पर्याप्त नहीं है। पिछले साल, झीलों में विसर्जन की अनुमति के अलावा, सात कृत्रिम तालाब स्थापित किए गए थे। हम अब झीलों में विसर्जन की अनुमति नहीं मांग रहे हैं, लेकिन केवल अतिरिक्त कृत्रिम तालाबों की मांग की जा रही है।

आज से शुरू हुई मानसून की विदाई, सामान्य से 8 दिन देरी से जा रहा वापस

नई दिल्ली: देश से आज (25 सितंबर) मानसून की विदाई शुरू हो गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस साल मानसून सामान्य से आठ दिन की देरी से वापस जा रहा है। दक्षिण पश्चिमी मानसून आज दक्षिण पश्चिमी राजस्थान से विदा हो गया है। इसके विदा होने की सामान्य तारीख 17 सितंबर थी।

IMD के मुताबिक, यह लगातार 13वां साल है, जब मानसून देरी से विदा हो रहा है। उत्तर पश्चिम भारत से मानसून के लौटने के साथ ही भारतीय उपमहाद्वीप से मानसून की विदाई की शुरूआत हो जाती है। मानसून की विदाई में देरी का मतलब है कि बारिश का सीजन लंबा रहा है, जिसका खेती पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। आमतौर पर दक्षिण पश्चिमी मानसून 1 जून तक केरल में दस्तक दे देता है और 8 जुलाई तक पूरे देश पर छा जाता है। वहीं, 17 सितंबर तक यह उत्तर पश्चिमी भारत से लौटना शुरू हो जाता है और 15 अक्टूबर तक पूरे देश से लौट जाता है। इस साल अब तक देश में 796.4 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य बारिश (843.2 मिमी) से 6% कम है। वहीं, देश में आज 14 राज्यों में तेज बारिश होने की संभावना है। इनमें बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, गुजरात, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश शामिल हैं।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com